कुमार रियल्टी द्वारा 'मैग्ना सिटी' टाउनशिप लांच

2 और 3 बीएचके घर 73 लाख से 1 करोड़ रुपये तक; 3 लाख तक की विशेष छूट मिलेगी

पुणे, 21 अगस्त
(आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

रियल एस्टेट डेवलपर कुमार रियल्टी ने अपने कारोबार के 60 वर्ष पूरे कर लिए हैं. कंपनी ने पुणे-सोलापुर राजमार्ग पर मांजरी में विकसित की जा रही अपनी 140 एकड़ की अत्याधुनिक 'मैग्ना सिटी' टाउनशिप लांच की है. कुमार रियल्टी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष जैन ने होटल रामी ग्रैंड में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की.

जैन परिवार की चौथी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हुए मैथिली जैन भी इस अवसर पर उपस्थित थीं. मैग्ना सिटी के स्थान के बारे में बात करते हुए मनीष जैन ने कहा, मांजरी पूर्वी पुणे के सबसे तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में से एक है. 'मैग्ना सिटी' की ईऑन आईटी पार्क, एसपी इंफोसिटी और साइबर सिटी जैसे प्रमुख आईटी हब से उत्कृष्ट कनेक्टिविटी है. इसके अलावा, प्रस्तावित पुरंदर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, रिंग रोड, मल्टी-मेट्रो कनेक्टिविटी और आगामी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर इस इलाके के भविष्य के विकास को काफी बढ़ावा देंगे. 'मैग्ना सिटी' सिटी के दूसरे चरण में टाउनशिप के केंद्रीय हरे-भरे क्षेत्रों और विभिन्न सुविधाओं के मनोरम दृश्यों वाले घर उपलब्ध होंगे.

मनीष जैन

इसमें 2 और 3 बीएचके के अपार्टमेंट लगभग 73 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये की कीमत में मिलेंगे. कुमार रियल्टी अपने कारोबार के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में घर खरीदारों को 3 लाख रुपये तक की विशेष छूट भी दे रही है.

140 एकड़ में फैले इस टाउनशिप का लगभग 22 से 25 प्रतिशत हिस्सा हरियाली और सुशोभित खुले स्थानों के लिए आरक्षित होगा. इसके अतिरिक्त, एक लाख वर्ग फुट का भव्य क्लब विकसित किया जाएगा, जिसमें स्वीमिंग पूल, बैंक्वेट हॉल, रेस्तरां, अतिथि कक्ष, जिम और मिनी थिएटर जैसी सुविधाएं होंगी. इस टाउनशिप में सुव्यवस्थित आंतरिक सड़कों का नेटवर्क, एक बड़ा रिटेल स्ट्रीट, रेस्तरां और कैफे, स्कूल, अस्पताल, अग्निशमन केंद्र और पुलिस स्टेशन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी. कुमार रियल्टी के भावी विस्तार के बारे में बात करते हुए मनीष जैन ने कहा, मैग्ना सिटी के फेज 2 के लांच और पुणे के विभिन्न हिस्सों में आकार ले रही आगामी परियोजनाओं की मजबूत श्रृंखला के साथ, कुमार रियल्टी पुणे के विकास के अगले चरण को आकार देने तैयार है. हमारा लक्ष्य विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से प्रति वर्ष कम से कम 2,000 फ्लैट उपलब्ध कराना है.

बुनियादी ढांचे में सुधार जरूरी

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए जैन ने कहा कि पुणे में परिवहन व्यवस्था को सुधारने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार करना बेहद जरूरी है. वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के कार्यालय स्थापित करने के लिए पुणे को देश का पसंदीदा स्थान बनाने हेतु यातायात जाम की समस्या का समाधान करना आवश्यक है.कुमार रियल्टी की स्थापना 1966 में केसरीमल और विमल कुमार जैन ने की थी. अब तक कंपनी ने 140 से अधिक रियल एस्टेट परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिसमें लगभग 36 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र का विकास किया गया है. कंपनी ने अब तक 42,000 परिवारों को घर उपलब्ध कराए हैं.

सेंसेक्स सिर्फ 3 अंक की मामूली बढ़त लेकर 77,541 अंक पर बंद

मुंबई, 21 अगस्त (वार्ता)

विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को उतार-चढ़ाव देखा गया और बीएसई का सेंसेक्स अंत में सपाट बंद हुआ.

सेंसेक्स शुक्रवार को 163 अंक चढ़कर 77,701.07 अंक पर खुला. बीच कारोबार में यह ऊपर 77,725 अंक और नीचे 77,446 अंक तक गया. अंत में 3.11 अंक की बढ़त में 77,540.83 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 20.15 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,252 अंक पर रहा. पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक मजबूत बंद हुए थे.

वृहत बाजार में भी सभी सूचकांक ऊपर बंद हुए. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.11 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.69 प्रतिशत की तेजी रही. सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी बैंकिंग और निफ्टी वित्त हरे निशान में रहे. एफएमसीजी, ऑटो, आईटी, मीडिया और रसायन समूहों में गिरावट देखी गयी.

सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड का शेयर ढाई फीसदी से ज्यादा मजबूत हुआ. बीईएल और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर एक प्रतिशत से अधिक चढ़े. एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी और टाइटन के शेयरों में भी तेजी रही.

वहीं, ट्रेंट और मारुति सुजुकी के शेयर डेढ़ प्रतिशत फिसल गये. इंडिगो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी एक फीसदी से ज्यादा टूटे. हिंदुस्तान यूनीलिवर, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक में भी गिरावट रही.

विदेशों में एशियाई और शुरुआती कारोबार में यूरोपीय शेयर बाजारों में मिलाजुला रुख रहा.

खबरें संक्षेप में

10 करोड़ नशा मुक्ति शपथ महा-अभियान संपन्न

पुणे, 21 अगस्त (आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

भारत सरकार तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय (माउंट आबू) की ओर से 6 अगस्त से 20 अगस्त तक देशभर में '10 करोड़ नशा मुक्ति शपथ महा-अभियान' चलाया गया. इसी गतिविधि के तहत मुकुंद नगर सेंटर द्वारा बंसीलाल रामनाथ अग्रवाल हिंदी विद्यालय, रसिकलाल धारीवाल स्कूल एंड कॉलेज और कैंप एजुकेशन सोसाइटी के सभी केंद्रों (सायरस पूनावाला जूनियर कॉलेज, सायरस पूनावाला इंग्लिश मीडियम स्कूल रास्ता पेठ, विलू पूनावाला इंग्लिश मीडियम स्कूल, वाडिया कॉलेज और बीएमसीसी कॉलेज) जैसे विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में यह अभियान आयोजित किया गया. राजयोगिनी सरिता दीदी (मुकुंद नगर सेंटर) के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम को छात्रों और शिक्षकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली.

'किर्लोस्कर वसुंधरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' आज

नवी पेठ, 21 अगस्त (आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

किर्लोस्कर वसुंधरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का 19वां संस्करण इस बार ऑफलाइन मोड में आयोजित होने जा रहा है. एसएल किर्लोस्कर सीएसआर फाउंडेशन द्वारा शनिवार (22 अगस्त) को आयोजित होने वाला यह महोत्सव ब्रॉट टू यू बाय अर्थथीम पर आधारित है. इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को प्रकृति के करीब लाना और बदलते मौसम व संवेदनशील इकोसिस्टम के जरिए धरती द्वारा दिए जा रहे संकेतों के प्रति जागरूक करना है. एसएल किर्लोस्कर सीएसआर फाउंडेशन की डायरेक्टर आरती किर्लोस्कर ने कहा कि, इस साल की थीम 'ब्रॉट टू यू बाय अर्थ' लोगों को अपने आसपास के पर्यावरण को करीब से देखने, उसकी सराहना करने और उसे सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करती है. महोत्सव में 22 अगस्त को छात्रों के लिए एक विशेष कार्यक्रम, दो शॉर्ट-फ़िल्मों की स्क्रीनिंग, परिचर्चा और एक थीम-आधारित वर्कशॉप शामिल होगी. साथ ही शाम के सत्र में पर्यावरणविद्, प्रकृति प्रेमी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित नागरिक शामिल हो सकते हैं.

पुणे के सांसदों ने बेहतर रेल सेवाओं को लेकर मांग उठाई

पुणे, 21 अगस्त
(आज का आनंद न्यूज़ नेटवर्क)

पुणे और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती रेल मांग के बीच सांसदों ने बेहतर रेल कनेक्टिविटी, उन्नत यात्री सुविधाओं और रेलवे के बुनियादी ढांचे में सुधार की मांग की. इन मुद्दों को लेकर बुधवार को मध्य रेलवे के अधिकारियों और सांसदों के बीच बैठक हुई. बैठक में शामिल 13 सांसदों ने विभिन्न विषयों पर रेलवे प्रशासन से प्रश्न पूछें.. यात्रियों की सुरक्षा पर प्राथमिकता से जोर दिया गया.

यह बैठक 19 अगस्त को पुणे स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित की गई. इसमें मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव, वरिष्ठ रेलवे अधिकारी, विभागों के प्रधान प्रमुख तथा पुणे और सोलापुर मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक शामिल हुए. मावल के सांसद श्रीरंग आप्पा बारणे को सर्वसम्मति से बैठक का अध्यक्ष चुना गया. बैठक में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े रेलवे संबंधी मुद्दे उठाए तथा बेहतर रेल कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं में सुधार की मांग की. पुणे और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से हो रहे शहरीकरण तथा रेल परिवहन पर बढ़ती निर्भरता के बीच ये मांगें सामने आई हैं.

बैठक में शामिल सांसदों में पुणे के सांसद मुरलीधर मोहोल, श्रीरंग आप्पा बारणे, डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे, ओमराजे निंबालकर, धैर्यशील मोहिते-पाटिल, नीलेश लंके, भास्कर भगरे, बजरंग सोनवणे, विशाल पाटिल, धैर्यशील माने, शिवाजी कालगे, ज्योति वाघमारे, मेधा कुलकर्णी शामिल थे.

मध्य रेल के उप महाप्रबंधक के.के. मिश्रा ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया. पुणे मंडल के रेल प्रबंधक राजेश कुमार वर्मा, सोलापुर मंडल के रेल प्रबंधक डॉ. सुजीत मिश्रा ने पुणे और सोलापुर मंडलों की उपलब्धियों पर विस्तृत जानकारी दी.

सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मांगों के साथ-साथ यात्रियों की सुविधाओं में समग्र सुधार के मुद्दे उठाए. उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना, वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस तथा विशेष ट्रेनों जैसी विभिन्न योजनाओं की सुविधा बढाने के लिए रेलवे द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की.

केंद्रीय राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि, नए छह प्लेटफॉर्म का काम जल्द पूरा किया जाए. यात्रियों की सुरक्षा को लेकर दीर्घकालीन नियोजन आवश्यक है.

24 घंटे टीसी और आरपीएफ कर्मचारियों की नियुक्ती पुणे रेलवे स्टेशन के प्रवेशद्वार पर की जाए. ज्यादा से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं. डेक्कन क्वीन प्लेटफॉर्म नंबर 1 से चलाने का प्रयास किया जाए.

'बांध की गाद' किसानों को मिलेगी मुफ्त

■ अपने खर्च पर ले जाने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा

पुणे, 21 अगस्त
(आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

राज्य के बांधों के जलाशयों से निकाली गई गाद और गाद में मिश्रित रेत अब किसानों को उनके खेतों में उपयोग के लिए निःशुल्क उपलब्ध होगी. जलाशय से प्राप्त उपजाऊ गाद को खेतों में डालने से भूमि की जल धारण क्षमता और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी.

वहीं, दूसरी तरफ बांध में गाद की मात्रा कम होने से जल भंडारण क्षमता में वृद्धि होगी. महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास महामंडल के कार्यकारी निदेशक डॉ. हनुमंत धूमाल ने कहा कि, यदि किसान बांधों से गाद को अपने खेतों तक स्वयं ले जाते हैं, तो उनसे कोई स्वामित्व शुल्क या अन्य कोई राशि नहीं ली जाएगी. इस निर्णय से गैर-सरकारी संगठनों और ग्रामीणों को भी लाभ होगा.

डॉ. धूमाल ने इस संबंध में संबंधित इंजीनियरों को पत्र भेजा है. राज्य सरकार ने राज्य की सात प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के जलाशयों से गाद और गाद मिश्रित रेत को प्रायोगिक आधार पर हटाकर जल भंडार को बहाल करने का निर्णय लिया है. जल संसाधन विभाग ने इस संबंध में 22 जून को एक सरकारी निर्णय जारी किया. इस निर्णय के प्रावधानों के अनुसार, यदि राज्य की सभी प्रमुख, मध्यम और लघु सिंचाई परियोजनाओं से गाद किसानों द्वारा अपने खर्च पर ले जाकर अपने खेतों में उपयोग की जाती है, तो कोई स्वामित्व शुल्क नहीं लिया जाएगा.

रेत या खनिज मिलने पर तत्काल सूचना देनी होगी

यदि गाद निकालने के दौरान रेत या अन्य गौण खनिज पाए जाते हैं, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित राजस्व विभाग को देनी होगी. ऐसे खनिजों का परिवहन या निपटान प्रचलित नियमों के अनुसार किया जाएगा.

हवेली और खेड़ प्रांतीय अधिकारियों के भ्रष्टाचार की जांच होगी : बावनकुले

■ राजस्व मंत्री द्वारा कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने से अधिकारी वर्ग में खलबली !

पुणे, 21 अगस्त (आ.प्र.)

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने तहसीलदारों और प्रांतीय अधिकारियों के स्वामित्व वाली जमीनों के अर्ध-न्यायिक मामलों की सुनवाई में पक्षों के साथ साजिश रचकर जमीनों में हेरफेर करने वाले एजेंटों के गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है. हवेली और खेड़ दोनों के प्रांतीय अधिकारियों और उनके कार्यालयों में चल रहे एजेंटगिरी के काम के खिलाफ सीधी शिकायतें मिली हैं. बावनकुले ने चेतावनी दी है कि मामले की विस्तृत जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

बावनकुले ने कहा कि, मुझे हवेली और खेड़ प्रांतों के बारे में सीधी शिकायतें मिली हैं. शिकायतों से पता चला है कि इन प्रांतीय अधिकारियों के कुछ निजी एजेंट घूम रहे हैं और उनके माध्यम से काम, सुनवाई और भ्रष्टाचार किया जा रहा है. मैं व्यक्तिगत रूप से इस बारे में विस्तृत जानकारी जुटा रहा हूं और किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में इस मुद्दे को उठाऊंगा. राजस्व विभाग में इस तरह की मिलीभगत और आम जनता का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. विस्तृत जांच करने के बाद, दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. विभिन्न भूमि विवादों का निपटारा करने से पहले, तहसीलदारों और प्रांतीय अधिकारियों के निजी एजेंट संबंधित पक्षों से संपर्क करते हैं. उन्हें समझौता करने के लिए राजी कर बड़े पैमाने पर आर्थिक लेन-देन किए जाते हैं.

प्रांतीय अधिकारियों के कार्यालयों में निजी व्यक्तियों की नियुक्ति और उनके माध्यम से दस्तावेजों और कागजातों के आदान-प्रदान के साथ लघु खनिजों के परिवहन में प्रांतीय अधिकारियों के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के संबंध में कई गंभीर शिकायतें हैं.

आज का इतिहास

भारतीय एवं विश्व इतिहास में 22 अगस्त की महत्वपूर्ण घटनाएं

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)

- **1320:** गाजी मलिक ने नसीरुद्दीन खुसरो को पराजित किया.
- **1707:** स्वीडन और प्रशिया ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये.
- **1848:** अमेरिका ने न्यू मैक्सिको पर कब्जा किया.
- **1849:** ऑस्ट्रिया ने इटली के शहर वेनिस पर चालक रहित गुब्बारों से हवाई हमला किया था.
- **1894:** दक्षिण अफ्रीका के नटाल में महात्मा गांधी ने नटाल इंडियन कांग्रेस का गठन किया.
- **1921:** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई.
- **1924:** हिंदी के प्रसिद्ध लेखक और व्यंगकार हरिशंकर परसाई का जन्म.
- **1955:** प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और राजनीतिज्ञ चिरंजीवी का जन्म.
- **1969:** अमेरिका में समुद्री तूफान में 255 लोगों की मौत हुई थी.
- **1978:** केन्या के पहले राष्ट्रपति जोमो केन्याता का निधन हुआ था.
- **1979:** राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने लोकसभा भंग की थी.
- **1996:** मद्रास का नाम बदलकर चेन्नई किया गया.
- **2007:** अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की मरम्मत के लिए दो सप्ताह के मिशन पर गया अंतरिक्ष यान एंडेवर फ्लोरिडा में कैनेडी स्पेस सेंटर पर उतरा.
- **2007:** मिस्र के पुरातत्त्वविदों ने सिवा क्षेत्र में करीब 20 लाख वर्ष पुराने मानव पद-चिनों का पता लगाया.
- **2014:** 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित कन्नड़ भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार, आलोचक और शिक्षाविद यू. आर. अनंतमूर्ति का निधन.
- **2018:** राही सरनोबत ने एशियाई खेलों में 25 मीटर पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता.

पुणे कैन्टोंमेंट की हरित पट्टी पर 'अवैध कचरा डंपिंग'!

वनस्पतियों के साथ ही स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा

पुणे, 21 अगस्त (आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

पुणे छावनी के सैन्य क्षेत्र के भीतर स्थित हरित भूमि के एक हिस्से को कथित रूप से अवैध कचरा डंपिंग स्थल में बदल दिया गया है. इससे स्थानीय निवासियों, अभिभावकों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं में चिंता बढ़ गई है. यह क्षेत्र नियंत्रित छावनी और सेना के अधिकार क्षेत्र में आने के बावजूद यहां बड़ी मात्रा में निर्माण मलबा, वाहनों का कबाड़ और मिश्रित कचरा फेंके जाने की खबर है.

यह स्थान द बिशप्स स्कूल और भोजवानी स्कूल सहित कई शिक्षण संस्थानों के पास स्थित है. इस कारण कचरा डंपिंग से विद्यार्थियों और आसपास के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ रही है. नागरिकों ने इस स्थल के सेना पुलिस के अधिकार क्षेत्र के पास होने की ओर भी ध्यान दिलाया है. उन्होंने सवाल उठाया है कि प्रभावी जांच के बिना कचरा ढोने वाले वाहन लगातार इस क्षेत्र में कैसे प्रवेश कर रहे हैं.

निवासियों के अनुसार, ट्रैक्टर, व्यावसायिक वाहन और अन्य भारी वाहन अक्सर इस क्षेत्र में प्रवेश करके कचरा उतारते हैं. इसमें कथित रूप से निर्माण मलबा, फेंके गए वाहनों के पुर्जे, कमोड जैसे सैनिटरी उपकरण, भवन-निर्माण सामग्री और अन्य मिश्रित कचरा शामिल हैं. यह कचरा हरित पट्टी के कई हिस्सों में फैल गया है, जिससे वनस्पति को नुकसान पहुंच रहा है और प्राकृतिक भू-दृश्य बदल रहा है.निवासियों ने क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि नियमों को पर्याप्त रूप से लागू नहीं किए जाने के कारण अवैध डंपिंग जारी है. उन्होंने यह जानकारी मांगी है कि क्या कचरा ले जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है और क्या इसके लिए जिम्मेदार ठेकेदारों या व्यक्तियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई शुरू की गई है.

इस स्थान का स्कूलों के पास होना एक बड़ी चिंता बन गया है. विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक और स्थानीय निवासी नियमित रूप से आसपास की सड़कों का उपयोग करते हैं. निर्माण मलबे और कबाड़ के कारण धूल, दुर्गंध, नुकीले टुकड़े तथा अन्य सुरक्षा संबंधी खतरे पैदा हो सकते हैं. नागरिकों ने यह आशंका भी जताई है कि यदि कचरा फेंकने का सिलसिला बिना रोक-टोक जारी रहा, तो इससे कई स्वास्थ्य संबंधी जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं. पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि गैर-जैव अपघटनीय सामग्री लगातार जमा होने से मिट्टी की गुणवत्ता और वनस्पति प्रभावित हो सकती है. उन्हें डर है कि यदि इस स्थान की जल्द सफाई नहीं की गई, तो हरित पट्टी को दीर्घकालीन पारिस्थितिक नुकसान हो सकता है और छावनी क्षेत्र के भीतर एक खुले एवं प्राकृतिक स्थान के रूप में इसका महत्व समाप्त हो सकता है.

नागरिकों ने पुणे छावनी बोर्ड, स्टेशन कमांडर और अन्य संबंधित सैन्य अधिकारियों से तत्काल निरीक्षण करने तथा कचरा फेंकने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने का आग्रह किया है. उन्होंने जमा कचरा हटाने और प्रभावित क्षेत्र को फिर से बहाल करने की मांग की है.

निवासियों ने प्रवेश मार्गों पर कड़ी निगरानी रखने तथा अवैध रूप से कचरा ले जाने या फेंकने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की है. उन्होंने सीसीटीवी निगरानी, नियमित गश्त और लागू नगरपालिका, पर्यावरण एवं छावनी नियमों के अंतर्गत जुर्माना लगाने जैसे उपाय सुझाए हैं.